बरेली, शनिवार
31 अगस्त 2024
नगर संस्करण
सूचना 7.68
पृष्ठ 11

दैनिक जागरण

PAGE NO :09 TOP

विशेषज्ञों ने नई पीढ़ी के गणित से दूर भागने पर जताई चिंता

अमेरिका, फ्रांस, रूस समेत कई देशों के विशेषज्ञ हुए आनलाइन शामिल

जागरण संवाददाता, बरेली : एसआरएमएस में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में गणित और इसके अनुप्रयोग विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। पहले दिन तबक गणितज्ञ आनलाइन और आफलाइन तरीके से शामिल हुए। टेक्निकल सेशन में 51 शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि थाईलैंड की थम्मासेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर छुतिकोल सिन्दुनावस्त रहीं। उद्घाटन सत्र में ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने नई पीढ़ी का गणित से दूर भागने पर चिंता जताई।

मुख्य अतिथि ने कहा कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए टेक्नोलाजी महत्वपूर्ण है, लेकिन टेक्नोलाजी का होना भी सिर्फ गणित पर ही निर्भर करता है। पंजाब केंद्रीय विवि, बठिंडा के कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र तिवारी वर्चुअल रूप से शामिल हुए। उन्होंने दैनिक और सार्वजनिक जीवन में गणित के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि पहली कक्षा से शुरू होने वाला गणित का साथ जीवन भर चलता है। पांडिचेरी विवि के कुलपति प्रोफेसर के. आरनिकरसुगी भी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

एसआरएमएस सोईटी ने शुक्रवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में गणित और इसके अनुप्रयोग के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पुस्तक का विमोचन करते अतिथि • हो. हरकत

• पांडिचेरी विवि, मद्रास विवि आदि के गणितज्ञों ने व्याख्यान के साथ शोध पत्र भी प्रस्तुत किए

उन्होंने गणित को मदर आफ साइंस बताया। इससे पहले एसआरएमएस के प्रोग्राम व कान्फ्रेंस के डायरेक्टर प्रोफेसर प्रभाकर गुप्ता ने गणित को इंजीनियरिंग की आत्मा बताते हुए सभी का स्वागत किया। सम्मेलन के संयोजक डा. कमलेंद्र कुमार ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य नई पीढ़ी के युवाओं में गणित से हो रहे मोहभंग को दूर करने के तरीके तलाशना है, जिससे नई पीढ़ी भी इसे उत्साह से पढ़े। इस मौके पर उद्घाटन सत्र में हिमाचल विश्वविद्यालय की डा. शालिनी गुप्ता, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, एसआरएमएस सोईटीआर के प्रिंसिपल डा. एलएस मौर्य, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (डा.) एमएस ब्रुटोला समेत संस्थान के शिक्षक, छात्र-छात्राएं आदि मौजूद रहे।।